

Padma Shri



SHRI PRAHALAD RAI AGARWALA

Shri Prahalad Rai Agarwala is the Chairman of the Board and founding member of RUPA and Company Limited and its group companies.

2. Born on 11th May, 1938 at Sikar, Rajasthan, Shri Agarwala being an obedient child to his parents and a meritorious student, understood the importance of education and completed LLB successfully fighting all odds. Hailing from a very simple background, he had to participate in business while studying.

3. Post-Independence, when the country was trying to fulfill its basic needs of 'Roti, Kapda and Makan', Shri Agarwal envisioned manufacturing quality garments at an affordable price for every Indian, and thus RUPA was born in 1968. He tirelessly worked along with his brothers to grow RUPA from a small establishment to a National Player. In the process, he reformed hosiery industry as an organized sector in Bengal and beyond. With an expertise of over 50 years, RUPA successfully generated employment for more than 2000+ direct and 20000+ indirect beneficiaries all across India.

4. RUPA currently has footprints in more than 25 countries across the globe. RUPA, a purely "Make in India" brand got listed in BSE & NSE in 2011. It formed alliances with Fruit of the Loom, a Berkshire Hathaway Company and French Connection, UK — a Stephen Marks Company. Along the journey, Shri Agarwala also envisioned and set up a state-of-the art textile manufacturing unit in Surat, Gujarat in 1991 and a steel manufacturing plant in Durgapur, West Bengal in 2003.

5. Philanthropy has always been close to Shri Agarwala's heart. From the very beginning of his career, he has earmarked a part of the gains for social causes. Being an education enthusiast, Shri Agarwala set up Sobhasaria Engineering College Sikar, Rajasthan, in October 1999 imparting education to 1200 students annually - the only Institution in the region to receive the prestigious Asia Education Award in the year 2017 & UNESCO Chetna award for their charitable mindset and their dedication towards the society. Under his guidance, Rupa Technical Institute was established at Kolkata in 2016 for vocational training under the Skill India Mission to generate profitable livelihoods for needy individuals. RUPA foundation, partnered with Mahavir Seva Sadanand set up a facility to provide prosthetics (artificial limbs) to the specially-abled people in 2020-'21. He introduced the RUPA scholarship in association with St. Xavier's University, Kolkata, to nurture young talent in 2021.

6. Shri Agarwala held the position of President of Bharat Chamber of Commerce from 2007 to 2008. He has been conferred with Lifetime Achievement award by FOHMA in 2016. From 2014 to 2019, he served as Honorary Consul of Republic of Colombia in Kolkata and he was appointed by the President of India for promoting bilateral ties. During 2016-2017, he was the Member of the Advisory Council of Sankara Nethralaya. He is currently serving as Member of the Governing Council of Apparel, Made-ups & Home Furnishing Sector Skill Council (AMHSSC), under Ministry of Textiles, Government of India. He is also the Chairman of the Governing Body of Sobhasaria Engineering College, Sikar, Rajasthan, India and founding Trustee of the Heritage School and Chairman of the Board of Governors at Heritage Institute of Technology, one of the premier education institutions in Eastern India.

पद्म श्री



श्री प्रहलाद राय अगरवाला

श्री प्रहलाद राय अगरवाला रूपा एंड कंपनी लिमिटेड और उसकी ग्रुप कंपनीज़ के संस्थापक सदस्य और बोर्ड के चेयरमैन हैं।

2. 11 मई, 1938 को राजस्थान के सीकर में जन्मे, श्री अगरवाला अपने माता-पिता की आज्ञाकारी संतान और एक मेधावी छात्र होने के कारण शिक्षा के महत्व को समझते थे और सभी मुश्किलों से लड़ते हुए सफलतापूर्वक एलएलबी की शिक्षा पूर्ण की। बहुत साधारण परिवार से आने के कारण उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ व्यवसाय में भी हाथ बंटाना पड़ा।
3. आजादी के बाद, जब देश 'रोटी, कपड़ा और मकान' की अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की कोशिश कर रहा था, तब श्री अगरवाला ने हर भारतीय के लिए किफायती मूल्य पर बढ़िया कपड़े बनाने की कल्पना की, और इस तरह 1968 में रूपा का जन्म हुआ। उन्होंने रूपा को एक छोटे से प्रतिष्ठान से एक राष्ट्रीय स्तर की कंपनी बनाने के लिए अपने भाइयों के साथ अथक मेहनत की। इस प्रक्रिया में, उन्होंने बंगाल और उसके बाहर एक संगठित क्षेत्र के रूप में होजरी उद्योग में सुधार किया। 50 साल से ज्यादा की विशेषज्ञता के साथ, रूपा ने भारत भर में 2000 से ज्यादा प्रत्यक्ष और 20000 से ज्यादा अप्रत्यक्ष लाभार्थियों के लिए सफलतापूर्वक रोजगार पैदा किया।
4. वर्तमान में रूपा दुनिया के 25 से ज्यादा देशों में अपने पैर जमा चुका है। पूरी तरह 'मेक इन इंडिया' ब्रांड रूपा को 2011 में बीएसई और एनएसई की सूची में डाला गया। उसने एक बर्कशायर हाथवे कंपनी, फ्रूट ऑफ द लूम और एक स्टीफन मार्क्स कंपनी, फ्रेंच कनेक्शन, यूके के साथ गठजोड़ किया। उन्होंने 1991 में सूरत, गुजरात में एक अत्याधुनिक वस्त्र निर्माण इकाई और 2003 में दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल में एक स्टील निर्माण संयंत्र की स्थापना की।
5. परोपकार हमेशा श्री अगरवाला के दिल के करीब रहा है। अपने करियर की शुरुआत से ही, उन्होंने मुनाफे का एक हिस्सा सामाजिक उद्देश्यों के लिए रखा। शिक्षा के प्रति उत्साह के कारण, उन्होंने अक्टूबर, 1999 में शोभासरिया इंजीनियरिंग कॉलेज सीकर, राजस्थान की स्थापना की, जो सालाना 1200 छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है और वर्ष 2017 में प्रतिष्ठित एशिया एजुकेशन अवार्ड प्राप्त करने वाला तथा धर्मार्थ सोच और समाज के प्रति उनके समर्पण के लिए यूनेस्को चेतना पुरस्कार प्राप्त करने वाला क्षेत्र का एकमात्र संस्थान है। उनके मार्गदर्शन में, कौशल भारत मिशन के तहत व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 2016 में कोलकाता में रूपा तकनीकी संस्थान की स्थापना की गई थी ताकि जरूरतमंद लोगों के लिए लाभदायक आजीविका का इंतज़ाम हो सके। रूपा फाउंडेशन ने महावीर सेवा सदानंद के साथ साझेदारी में 2020-21 में विकलांग लोगों को कृत्रिम अंग प्रदान करने के लिए एक इकाई स्थापित की। उन्होंने 2021 में युवा प्रतिभाओं को उभारने के लिए सेंट जेवियर्स यूनिवर्सिटी, कोलकाता के सहयोग से रूपा छात्रवृत्ति की शुरुआत की।
6. श्री अगरवाला ने 2007 से 2008 तक भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष का पद संभाला। उन्हें 2016 में एफओएचएमए द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 2014 से 2019 तक, उन्होंने कोलकाता में कोलंबिया गणराज्य के मानद वाणिज्य दूत के रूप में कार्य किया और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन्हें नियुक्त किया गया था। 2016-2017 के दौरान, वे शंकर नेत्रालय की सलाहकार परिषद के सदस्य थे। वे वर्तमान में भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के तहत परिधान, मेड-अप और होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल (एएमएचएसएससी) की शासी परिषद के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। वे शोभासरिया इंजीनियरिंग कॉलेज, सीकर, राजस्थान, भारत के शासी निकाय के चेयरमैन और हेरिटेज स्कूल के संस्थापक ट्रस्टी तथा हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष हैं, जो पूर्वी भारत के प्रमुख शिक्षा संस्थानों में से एक है।